THE INSTITUTE OF
Company Secretaries of India
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE
Statutory body under an Act of Parliament
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)

प्रेस विज्ञप्ति

ब्यूरो चीफ **11 जून, 2020**

कंपनी सचिवों ने निभाई लॉक-डाउन में कोरोना वारियर्स की भूमिका

लॉकडाउन के बावजूद भी नयी कंपनियों का पंजीयन अनवरत जारी रहा।

कोविद -19 महामारी ने पिछले कुछ महीनों में विश्व अर्थव्यवस्था को अव्यवस्थित कर दिया है, जिससे की लगभग सभी आर्थिक गतिविधियों में एक रुकावट सी आ गयी है । भारत सहित दुनिया भर के देशों ने कोरोनावायरस कर्व को समतल करने के लिए पूर्ण लॉकडाउन सहित कई असाधारण उपायों का सहारा लिया। हालांकि, लॉकडाउन के बावजूद भी नयी कंपनियों का पंजीयन अनवरत जारी रहा।

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (ICSI) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएस आशीष गर्ग ने कहा की इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए एवं कॉर्पोरेट्स को हो रही कठिनाइयों को कम करने के लिए भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) ने महामारी के दौरान भी अपने कार्यो को निर्बाध रूप से जारी रखा है और अपने संचालन में विभिन्न उपायों को अपनाया है ताकि बिजनेस चलाने में आसानी (Ease of Doing Business) रहे ।

उन्होंने कहा की आज के इस प्रौद्योगिकी संचालित युग में, कंपनी सचिव डिजिटल तरीको से ईमानदार प्रयास कर रहे हैं और मंत्रालय को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

सभी हितधारकों को बिजनेस चलाने में आसानी करने के लिए (Ease of Doing Business) विशिष्ट उद्देश्य के परिणामस्वरूप कंपनियों के पंजीयन सम्बन्धी फॉर्म्स को जल्दी प्रोसेस करने के लिए नियमो में सरलता लायी गई है । जब पूरा देश लोक-डाउन में था तब भी प्रोफेशनल एवं अधिकारियो ने कंपनियों एवं LLPs को नाम उपलब्धता के लिए (RUN) और कंपनियों के पंजीयन से संबंधित SPICe फॉर्म और माल और सेवा कर पहचान संख्या, कर्मचारी राज्य बीमा के लिए आवेदन, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पंजीकरण से संबंधित AGILE फॉर्म और LLP के पंजीयन के लिए FiLLiP फॉर्म के आवेदन को मात्रा 1 से 2 दिन में ही प्रोसेस करवाने में अथक प्रयास किया हैं।

श्री गर्ग ने बताया की मार्च 2020 में 804.61 करोड़ रुपए की अधिकृत पूंजी के साथ कुल 5,788 कंपनियों एवं 2356 LLPs का पंजीकरण किया गया। वही अप्रैल, 2020 में कुल 3,209 कंपनियों को पंजीकृत किया गया जिसका श्रेय एमसीए द्वारा प्रदान की गई विस्तारित समय अवधि के भीतर कंपनी के कानून के तहत फाइलिंग और अनुपालन को तैयार करने में कंपनी सचिव के ईमानदार प्रयासों को जाता है।

ICSI ने इसी दौरान डिजिटल क्रांति लेट हुए मार्च, अप्रैल और मई माह की लॉकडाउन अवधि में वेबिनार, क्रैश कोर्स और ऑनलाइन क्लासेज, सर्टिफिकेट कोर्सेस का आयोजन करके अपनी भूमिका निभाई और अपने सदस्यों एवं छात्रों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया है ।

ICSI ने हितधारकों को राहत देने के लिए एवं कानूनों में सरलीकरण के लिए समय समय पर विभिन्न नियामक प्राधिकरणों को नियमित आवेदन एवं प्रतिनिधित्व दिया है जिससे नियमो में सरलीकरण के कई बदलाव भी हुए है ।

कंपनी सचिवों के प्रयासों की सराहना करते हुए, सीएस आशीष गर्ग ने कहा कि "आईसीएसआई द्वारा इस संकट के समय में सतत कार्य करने वाले इन कंपनी सचिवों को कोरोना वारियर्स के रूप में सम्मानित किया जाएगा"।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि "जबकि समन्वित और ठोस प्रयासों के माध्यम से महामारी से जूझना प्राथमिकता रही है, आईसीएसआई अपने हितधारकों की सेवा करने और एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के अपने सभी प्रयासों में भारत सरकार का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है"।

प्रीति कौशिक बनर्जी
निदेशक
कॉर्पोरेट संचार और अंतर्राष्ट्रीय कार्य
ICSI
Tel: 011-45341022
Email:preeti.banerjee@icsi.edu